

श्री उपसभापति : टाइम समाप्त गया। हो गया। ...(व्यवधान)...

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैं अपने आपको इससे सम्बद्ध करती हूँ।

प्रो. अलका क्षत्रिय (गुजरात) : उपसभापति महोदय, मैं अपने आपको इससे सम्बद्ध करती हूँ।

डा. विजयलक्ष्मी साधौ (मध्य प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैं अपने आपको इससे सम्बद्ध करती हूँ।

श्रीमती बिमला कश्यप सूद (हिमाचल प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैं अपने आपको इससे सम्बद्ध करती हूँ।

श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी (गुजरात) : उपसभापति महोदय, मैं अपने आपको इससे सम्बद्ध करती हूँ।

DR. NAJMA A. HEPTULLA (Madhya Pradesh) : Sir, we all support whatever she has said. We are all with her ...(Interruptions)... हम लोग इसका समर्थन करते हैं और जो भी strong action उनके खिलाफ लेना है, वह action सरकार ले। ...(व्यवधान)... Regardless of any political consideration or State, we are with you ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The whole House is one with this demand ...(Interruptions)... All are associating ...(Interruptions)...

Reported notification by the Government to promote beef eating

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैं उस मसले को उठा रहा हूँ जिस मसले को सदन का एक-एक व्यक्ति समर्थन देगा। यह मसला है, एक नया अविष्कार किया है भारत सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय ने कि आप गाय का मांस खाइये और खून बढ़ाइये। ...(व्यवधान)...

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजीव शुक्ल) : सर, इसमें कोई तथ्य नहीं है, इसका क्लेरिफिकेशन आ चुका है। ...(व्यवधान)...

श्री प्रभात झा : नहीं, नहीं। ...(व्यवधान)...

श्री राजीव शुक्ल : इसको उठाने की अनुमति कैसे दी गई है? ...(व्यवधान)...

श्री प्रभात झा : राजीव जी, यह गंभीर मामला है। ...(व्यवधान)...

श्री राजीव शुक्ल : यहां पर मिनिस्टर बैठे हैं, ऐसी कोई बात ही नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री प्रभात झा : ऐसी बात कैसे नहीं है? यह पोषण नाम की पुस्तिका है। ...(व्यवधान)...

इस पुस्तिका में मेरठ के मवाना में ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will tell you...(Interruptions)... Don't display it. Mr. Jha, one second. Mr. Minister, this is permitted by the hon. Chairman. Of course, the hon. Minister is here. If he wants, he can react after the submission.

SHRI RAJEEV SHUKLA: But, Sir, there is no basis for this.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: But, it is permitted by the hon. Chairman.

श्री प्रभात झा : सर, मेरठ के मवाना में NIPCCD के सहयोग से पर्चा बांटा जाता है और उसका नाम प्रोसेंट है। उसमें लिखा है कि हरी सब्जी के साथ-साथ गो-मांस खाइए और गो-मांस खाने से आपका खून बढ़ेगा। राजीव जी आप किस संस्कृति की बात करते हैं? भारत की संस्कृति की धजियां उड़ाने का काम किस मंत्रालय को दिया गया है? यह बात कौन कहता है और यह पोस्टर कैसे बांटा गया? मैं सवाल पूछना चाहता हूँ, आप सवालों का उत्तर दीजिए।...(व्यवधान)...

श्री राजीव शुक्ल : सवालों का उत्तर दिया गया है।

श्री प्रभात झा : आप मुझे यह बताइये कि यह जानते हुए कि अनेक राज्यों में प्रतिबंध लगा हुआ है, फिर आपने यह सर्कुलर कैसे जारी किया? क्या आप चाहते हैं कि भारत में गाय की हत्या हो, क्या गो-मांस बढ़े? क्या इसका कोई लॉजिक है कि इससे खून बढ़ता है? यह मामला इतना सरल नहीं है। यह सर्कुलर निकालने वाला कौन है, यह सर्कुलर किसने निकाला है? इसके पीछे मंशा क्या थी, क्या कोई साम्प्रदायिक दंगा करवाना था? यह इतनी आसान बात नहीं है, जितनी तेजी से खड़े होकर आप बोल रहे हैं। यह मामला भारत की अस्मिता से जुड़ा हुआ है। गाय और गंगा भारती अस्मिता है। इस अस्मिता से खिलवाड़ करने वाला चाहे कोई भी मंत्रालय हो, यूपीए सरकार की इतनी हिम्मत कैसे हुई कि वह इस तरह का सर्कुलर जारी करे। मैं जब इस बात पर बोलने के लिए खड़ा हूँ तो आप मुझे बताइए कि क्या आप गो-हत्या के समर्थक हैं? आप इसका जवाब दीजिए। क्या आप चाहते हैं कि गो-मांस बंटे? हिन्दुस्तान का कोई भी साइंटिस्ट आकर बताए, कोई भी वैज्ञानिक आकर बताए कि गो-मांस खाने से खून बढ़ता है? मैं यहां पर मुस्लिम भाइयों से भी पूछना चाहता हूँ और सदन के एक-एक सदस्य से भी पूछना चाहता हूँ कि क्या यह सही है? मैं भारत के वैज्ञानिकों को चुनौती देकर पूछना चाहता हूँ कि वे बताएं कि क्या गो-मांस खाने से hemoglobin बढ़ता है? जब हम बोलने के लिए खड़े होते हैं तो आप बोलने नहीं देते हैं। मैं कहना चाहता हूँ कि यह बहुत ही गंभीर मामला है और सरकार इस पर जवाब दे। यदि वह जवाब नहीं देती है तो यह सिद्ध करे कि गो-मांस खाने से खून बढ़ता है। हमने कभी नहीं पढ़ा और कभी नहीं सुना कि इसके खाने से खून बढ़ता है। सरकार वह आदेश वापस ले और इस साजिश का पता लगाए। मैं कहना चाहता हूँ कि इस प्रकार का मजाक नहीं चलने वाला है। सरकार इसके दोषी अपराधियों को दंडित करें। * ...(समय की घंटी)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time over. *...(Interruptions)...* Those who want to associate, may do so.

श्री अविनाश राय खन्ना (पंजाब) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूँ।

श्री थावर चन्द गहलोत (मध्य प्रदेश) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूँ।

श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी (गुजरात) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करती हूँ।

श्री जय प्रकाश नारायण सिंह (झारखंड) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूँ।

SOME HON. MEMBERS: Sir, we all associate ourselves with the concern expressed by the hon. Member.

श्री राजीव शुक्ल : डिप्टी चेयरमैन सर, मैं इनको यह बता रहा हूँ कि इस तरह की कोई अनुवाद की mistake हुई थी, तो वह correct कर दी गई, फिर ये कैसे कह सकते हैं कि आप गो-मांस खाने के समर्थक हैं? *...(व्यवधान)...*

श्री प्रभात झा : आप यह कैसे कह सकते हैं? *...(व्यवधान)...*

श्री राजीव शुक्ल : आप अपना प्रचार लूटने के लिए किसी के ऊपर कुछ भी आरोप लगा देंगे? *...(व्यवधान)...* अगर आपको अपनी पब्लिसिटी कराना है, तो आप कोई भी आरोप लगा देंगे? *...(व्यवधान)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, the Minister *...(Interruptions)...*

श्री राजीव शुक्ल : मैं आपको जानकारी दे रहा हूँ। *...(व्यवधान)...* आप कैसे कह सकते हैं कि आप गो-मांस के समर्थक हैं? *...(व्यवधान)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, the Minister, Shri Rahman Khan would like to.. *...(Interruptions)...* आप बैठिए, आप बैठिए। *...(व्यवधान)...* You have made your point. *...(Interruptions)...* You have made your point. Please take your seat. *...(Interruptions)...* You have made your point. Please take your seat. Let the Minister have his say. *...(Interruptions)...* The Minister would like to respond.

THE MINISTER OF MINORITY AFFAIRS (SHRI K. RAHMAN KHAN): Mr. Deputy Chairman, Sir, the hon. Member has raised the issue relating to a brochure published by the Ministry of Minority Affairs. There is a woman development

programme mentioned. In the brochure pertaining to that programme, in the list of sources of iron as a nutrient, there is a mention of beef in English. This was published by the National Institute of Public Cooperation and Child Development (NIPCCD), a Government of India organization. The job of preparing the brochure had been entrusted to them. NIPCCD, while making a translation, have used the word 'cow meat' for beef. The day it came to my notice, I ordered the withdrawal of all the brochures. An hon. Member of the Lok Sabha had told me about it over telephone at around 12 o'clock at night. The next morning, I had immediately ordered the withdrawal of all publications. We had, then, issued a press release saying that this has been withdrawn. It is a mistake in translation. I regret on behalf of the Ministry...

DR. NAJMA A. HEPTULLA (Madhya Pradesh): Mr. Minister, cow-meat means beef. ...(Interruptions)...

SHRI K. RAHMAN KHAN: Let me complete. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Najmaji, let him complete. ...(Interruptions)...

SHRI K. RAHMAN KHAN: It is a mistake in translation.

SHRI BALBIR PUNJ (Odisha) : But did you punish anybody? ...(Interruptions)..
आपने किसी को सजा दी है? ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : आप बैठिए, बैठिए। ...(व्यवधान)...

श्री के. रहमान खान : आप मेरी बात सुनिए ...(व्यवधान)... आप बैठिए ...(व्यवधान)... मैं बताता हूँ ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : सुनिए ...(व्यवधान)... पहले सुनिए ...(व्यवधान)...

SHRI K. RAHMAN KHAN: Please listen to me. It was given in 2011 and then it was published. When we came to know about it, I am having it inquired into. Only three days back this came to my notice. I am inquiring into the matter and will find out where the mistake has occurred. We will take an appropriate action.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is fine.

SHRI K. RAHMAN KHAN: Sir, it has been withdrawn and I would assure the House; it is a wrong translation and we have taken a serious note of it. We have withdrawn it. ...(Interruptions)...

No, we have withdrawn it; everything is withdrawn.

SHRI BALBIR PUNJ: Have you taken any action against the responsible persons?

SHRI K. RAHMAN KHAN: We are inquiring into it. Since it has been done by another organisation of the Government of India, we will inquire into it first and then ...(Interruptions)... I will inquire into it and whatever needs to be done, I will do.

Wildlife protection and killing of one-horned Rhino in Assam

SHRI KUMAR DEEPAK DAS (Assam): Sir, I would like to raise a serious and urgent issue prevailing in Assam. No day passes in Assam without killing of a one-hornrhino. There is killing of one-hornrhino almost everyday in Assam. Time and again, the Government of India and the Government of Assam assured us that one-hornrhino will be protected in a high profile and scientific manner. But, till date, this rhino killing is not stopped and the Government has totally failed in protecting the wildlife in Assam. Only a small number of rhino habitation is there in Assam. Sir, the rhino population in Kaziranga was 2,290 only as per 2012 Census. As on October 4th, the rhino population drawn was 2,191 to 2,290.

Sir, cruelty is such a hit in Assam that in some cases, rhinos have been targeted by poachers and they hack the horns while the animals are alive. This is the position in Assam. The people are directly talking about 'today's death'. There is real *shor sharaba* in every street and road in Assam. The people speak of it directly. In the rhino killing and poaching, forest officials and even the higher-ups are directly involved. Even in Dispur, such illegal poaching and kickbacks are found. This is the situation prevailing when the Government has not been taking any action. Time and again, they have assured that there would be a CBI inquiry. But, till date, no CBI inquiry has been initiated by the Government of Assam and the Government of India. Sir, promises were made to introduce drones to keep an eye on movement of the animals and to track poachers. But, nothing has been done till date. The State assured us that it would go to the CBI in respect of this killing. But, nothing has been done.

Sir, the poaching incidents need to be viewed in a global perspective to appreciate the grave risk the rhino population in India is facing.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Das, your time is over. It is not going on record as the mike is off.